जांच पर सवाल : एसडीओ तक नहीं पहुंची गुणवत्ताविहीन सड़क निर्माण के जांच की आंच !

मझौली क्षेत्र की ढोंगा मेरटोला से जमुआ नं.-2 मार्ग गुणवत्ता विहीन निर्माण एवं खाम्ह-गिजवार सड़क में हुई अनियमितता की जांच में उपयंत्रियों पर हुई कार्यवाही, एसडीओ पर उच्च अधिकारियों की मेहरबानी को लेकर खड़े हो रहे सवाल

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अक्टूबर। गुणवत्ता विहीन सड़क निर्माण के जांच की आंच एसडीओ तक नही पहुंची। मामला लोक निर्माण विभाग उप संभाग मझौली अंतर्गत ढोंगा मेरटोला से जमुआ नं.2 मार्ग के गुणवत्ताविहीन निर्माण एवं खाम्ह-गिजवार सड़क में हुई अनियमितता का है। जांच में उपयंत्रियों पर कार्यवाही हुई लेकिन आरोपों और विवादों में घिरी एसडीओ पर उच्च अधिकारियों की मेहरबानी को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग के उच्च स्तरीय जांच दल द्वारा लोक निर्माण विभाग संभाग सीधी के अंतर्गत ढोंगा मेरटोला से जमुआ नं.2 मार्ग लम्बाई 3.30 कार्य का दिनांक 23 जुलाई 2025 को संविदाकार ऑरटेक्स इंजीनियरिंग साल्यूशन मझौली के समक्ष निरीक्षण किया गया था। यह निरीक्षण अधीक्षण यंत्री दिलीप विगोनिया शहडोल एवं एस.एल.सूर्यवंशी चीफ इंजीनियर ग्वालियर द्वारा सीधी के पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के समक्ष की गई

थी। निरीक्षण के पश्चात जांच रिपोर्ट मिलने पर मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग रीवा द्वारा संविदाकार को कारण बताओ सूचना पत्र क्रमांक 4132, दिनांक 24 जुलाई 2025 को भेजकर 15 दिवस के भीतर जवाब तलब किया गया था। उक्त कार्यवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि मार्ग के निर्माण में कमी मिलने पर क्या सिर्फ संविदाकार की जिम्मेदार है। एसडीओ सुश्री स्तुति गौतम पर रहम बरती जा रही है। जबकि एसडीओ के ऊपर भी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण एवं परख करने की जिम्मेदारी प्रथम दृष्टया होती है। एसडीओ को अपने क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का नियमित रूप से जायजा लेना चाहिये और यदि उसमें कमियां हैं तो उसका सुधार भी फौरी तौर पर कराना चाहिये। वरिष्ठ इंजीनियरों की जांच में यह स्पष्ट हो चुका है कि साइट पर निर्माण कार्यों की निगरानी करने एवं गुणवत्ता को जांचने की जिम्मेदारी जिन विभागीय अधिकारियों के ऊपर थी वह पूरी तरह लापरवाह रहे हैं।

इसी तरह खाम्ह-गिजवार-टिकरी-पथरौला मार्ग के निर्माण कार्य 26.80 किलोमीटर की जांच कराई गई थी। जांच टीम में अध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग मंडल रीवा, सदस्य में सरस्वती प्रसाद तिवारी कार्यपालन यंत्री, मंगलेश्वर प्रसाद द्विवेदी एसडीओ सीधी, ज्ञानेन्द्र सिंह एसडीओ चुरहट शामिल थे। उक्त जांच में भी कहा गया कि मांग पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी गयी।अर्थवर्क का कार्य निर्धारित मापदंड के अनुसार नहीं कराया

आरोपों में घिरी एसडीओ की पीडब्ल्यूडी मंत्री तक सिफारिश की है चर्चा

आरोपों एवं विवादों में घिरी एसडीओ लोक निर्माण विभाग उप संभाग मझौली इंजी. स्तुति गौतम पर आखिर आज तक कभी कोई कार्यवाही नही होने को लेकर विभागीय सूत्रों की यदि बात सही मानी जाये तो एसडीओ को राजनैतिक संरक्षण मिला हुआ है।इसी कारण से जिन दो सड़कों की जांच प्रतिवेदन में सड़कों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए और उपयंत्रियों को निलंबित भी किया गया। लेकिन एसडीओ के खिलाफ कोई कार्रवाई इसलिए नही हुई कि एसडीओ के राजनैतिक आकाओं द्वारा उनकी सिफारिश पीडब्ल्यूडी मंत्री से करके क्षमा दिला दिया गया।

जांच में खुल चुकी है खाम्ह-गिजवार-टिकरी-पथरौला सड़क के गुणवत्ता की पोल

खाम्ह-गिजवार-टिकरी-पथरौला सड़क के गुणवत्ता की पोल जांच में खुल चुकी है। जांच टीम ने अपने प्रतिवेदन में कहा कि मांग पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी गयी, जिससे संविदाकार द्वारा कराये गये कार्य की माप का वास्तविक मिलान नहीं किया जा सका। प्रथम दृष्टया पाया गया कि जितना भी अर्थवर्क हुआ है वह मापदण्डानुसार लाइन लैंथ नहीं है। अर्थवर्क की टाप विडथ स्थल पर नहीं पाई गई। सीआरएम की ग्रेडिंग प्रभारी विभागीय प्रयोगशाला रीवा द्वारा चेक की गई। जिसमें अत्याधिक वेरिएशन पाया गया। प्रावधानानुसार मोटाई/चौड़ाई नहीं मिली। संविदाकार को अग्रिम भुगतान का मामला उजागर हुआ।

इनका कहना है

उक्त सड़कों की जो जांच हुई है। मेरे संज्ञान में नही है। जहां तक एसडीओ के खिलाफ कार्यवाही की बात है तो वो मेरे अधिकार क्षेत्र में नही है। इसका निर्णय शासन स्तर से होगा।

सरस्वती प्रसाद तिवारी, अधीक्षण यंत्री
लोक निर्माण विभाग रीवा मंडल, रीवा

जिले में 60 दिनों तक चलेगा टोबेको फ्री यूथ कैंपेन

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अक्टूबर। सीएमएचओ डॉ.बबिता खरे ने बताया कि जिले में आज तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की 60 दिवसीय एक्टिविटी का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों को तम्बाकू पदार्थ का सेवन न करने के लिए शपथ दिलाई गई। इसका उद्देश्य जिले के युवाओं और समुदाय को तम्बाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें तम्बाकू मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। स्कूलों और कॉलेजों को तम्बाकू मुक्त बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे, जिसमें तम्बाकू निषेध बोर्ड लगाना और 100 गज के दायरे में पीली पट्टी बनाकर तम्बाकू निषेध क्षेत्र चिह्नित करना शामिल है। कार्यक्रम में कोटपा एक्ट 2003 के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी जाएगी, जो सार्वजनिक स्थानों पर तम्बाकू के उपयोग पर रोक लगाता है। तम्बाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों और इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता से तम्बाकू मुक्त समाज बनाने में मदद मिलेगी और युवा स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

ज्योत्सना के अंकुर का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अक्टूबर। ग्वालियर जिले में 4 से 8 अक्टूबर के बीच आयोजित राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता में म.प्र. के समस्त जिले के प्रतिभागी सम्मलित हुए।

इस प्रतियोगिता में सीधी जिले की ज्योत्सना स्कूल हड़बड़ो के 4 विद्यार्थियों अंकुर मिश्र कक्षा 12, रामायण तिवारी कक्षा 12, राज पाण्डेय कक्षा 11 एवं सौरभ जायसवाल कक्षा 10 ने भाग लिया, जिसमें रामायण तिवारी को ब्राउन्स मेडल, राज पाण्डेय एवं सौरभ जायसवाल को सिल्वर मेडल तथा अंकुर मिश्र को गोल्ड मेडल प्राप्त हुए। अंकुर मिश्र पिता प्रेम कुमार मिश्रा ने गोल्ड मेडल प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर भारत के मणिपुर इम्फाल राज्य में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय के संस्थापक डॉ.राजेश मिश्र, संचालक डॉ.अजय मिश्र, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.श्वेता सिंह, प्राचार्य द्वय अरविन्द पाण्डेय एवं अजय कुमार पटेल के साथ विद्यालय के समस्त स्टॉफ द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया।

ऋषिकेश फाउंडेशन ने आयोजित किया नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अक्टूबर। न्यायाधीश ऋषि तिवारी की स्मृति में ऋषिकेश फाउंडेशन द्वारा ऋषिकेश आश्रम बड़ा बांध हनुमानगढ़ में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर आयोजन की श्रृंखला में यह 37वां नेत्र परीक्षण शिविर था। शिविर में हनुमानगढ़ सहित आसपास के लगभग 20 गांवों से 75 मरीज नेत्र जांच करवाने पहुंचे। पिछले माह जिन मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया था। उनका फालोअप चेकप करने के उपरांत नि:शुल्क चश्में वितरित किए गए। आज के शिविर में सभी आगंतुकों को ऋषिकेश फाउंडेशन के सेवादारों द्वारा जलपान करवाया गया, फिर चिकित्सकों द्वारा मरीजों नेत्र परीक्षण किया गया। परीक्षण के उपरांत आवश्यकतानुसार नि:शुल्क आई ड्राप वितरित किए गए। 19 मरीजों को नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चित्रकूट रवाना किया गया। शिविर में पहुंचे सभी आगंतुकों को बिस्किट के पैकेट भेंट किए गए। चित्रकूट जाने वाले सभी मरीज़ों को बिस्किट के साथ भोजन के पैकेट भी भेंट किए गए। ऋषिकेश फाउंडेशन परिवार सभी मरीजों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ्य पर आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान आर्यन मेडिकल स्टोर के संचालक द्वारा निरीक्षण टीम को देखकर तत्काल दुकान बंद कर दी गई। उक्त दुकान को आगामी आदेश तक बंद रखने का नोटिस चस्पा कर दिया गया है। औषधि निरीक्षक ने बताया कि जिले के सभी मेडिकल स्टोरों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यदि किसी भी दुकान में प्रतिबंधित, अमानक या एक्सपायरी दवाएं पाई जाती हैं अथवा नियमों का उल्लंघन करते हुए दुकान संचालन पाया जाता है, तो संबंधित संचालक के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वयोश्री एवं एडिप योजना : सीधी जनपद में 116 लाभार्थी चिन्हांकित

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अक्टूबर। कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त सीईओ धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत सीधी सभागार में आज वयोश्री योजना एवं एडिप योजना अंतर्गत एलिम्को जबलपुर द्वारा आयोजित सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविरों की श्रृंखला का अंतिम शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र सिंह अध्यक्ष जनपद पंचायत सीधी रहे। उन्होंने कहा कि शासन की यह योजनाएं वास्तव में उन लोगों के जीवन में नई रोशनी ला रही हैं जिन्हें सहायता की सबसे अधिक आवश्यकता है। शिविर का संचालन सीईओ जनपद पंचायत सीधी सी.एल.पनिका और सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सूरज सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर में कुल 116 लाभार्थियों का चिह्नांकन किया गया, जिनमें वयोश्री योजना अंतर्गत 63 वरिष्ठ नागरिक और एडिप योजना अंतर्गत 53 दिव्यांगजन शामिल रहे। कार्यक्रम में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र सीधी से डॉ.दीपक त्रिपाठी, ट्रांसडिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक शिवांशु शुक्ला, सहायक ग्रेड-3 प्रभात शुक्ला, नम्रता मिश्रा, चंद्रप्रताप तिवारी तथा सामाजिक न्याय विभाग के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। शिविरों की इस श्रृंखला के सफल समापन के साथ ही जिले भर में कुल 400 से अधिक पात्र लाभार्थियों का चिह्नांकन किया जा चुका है। इन शिविरों ने न केवल जरूरतमंदों को सहायता उपकरण प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त किया है, बल्कि समाज में समावेश और संवेदनशीलता की प्रेरणादायक मिसाल भी प्रस्तुत की है। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना आत्मनिर्भरता और गरिमा से जीवन जीने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोरों में की आकस्मिक जांच-पड़ताल

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अक्टूबर। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार तथा उपखंड अधिकारी राकेश शुक्ला के मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार सी.पी.त्रिवेदी और औषधि निरीक्षक राधेश्याम वट्टी ने संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न मेडिकल स्टोरों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने आशीष मेडिकल, विनय मेडिकल, सूरज मेडिकल और प्रताप मेडिकल (लालता चौक) का निरीक्षण कर दुकानों में रखी कफ सिरप एवं अन्य दवाओं के भंडारण, क्रय-विक्रय रिकॉर्ड और दस्तावेजों की विस्तृत जांच की। प्रदेश शासन द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार औषधि निरीक्षक द्वारा सात दवाओं के नमूने जांच हेतु लिए गए, जिन्हें राज्य औषधि प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाएगा। निरीक्षण के दौरान दुकानों के संचालन से संबंधित अन्य वैधानिक प्रावधानों की भी जांच की गई तथा औषधि निरीक्षक द्वारा इस संबंध में रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसके आधार

एक नजर में

दिव्यांशी गौतम को मिली पीएचडी की उपाधि

सीधी। सोंधी माटी लोनी बघेली साहित्यिक मंच सीधी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.श्रीनिवास शुक्ल सरस वरिष्ठ बघेली कवि जिनकी अब तक 24 पुस्तकें प्रकाशित हैं, उनकी रचनाधर्मिता पर शोध प्रबंध लिखकर दिव्यांशी गौतम ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। यह पीएचडी एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह म.प्र. से विषय- बघेली साहित्य के विकास में डॉ.श्रीनिवास शुक्ल सरस का योगदान हेतु सुश्री दिव्यांशी को एवार्ड हुई। शोध प्रबंध के शोध निर्देशक डॉ.सुधीर कुमार गौतम सहायक प्राध्यापक दमोह रहे। सुश्री दिव्यांशी डॉ.सूर्यनारायण गौतम वेदाचार्य के सुपुत्री हैं, जिन्होंने हिन्दी साहित्य में एमए और संस्कृत विषय से शास्त्री की परीक्षा उत्तीर्ण की है। बधाई देने बालों में जिवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुल गुरु आचार्य जी, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलानुशासक डॉ.शैलेन्द्र कुमार शर्मा विभागाध्यक्ष हिन्दी, सेनि. संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ.सत्येन्द्र शर्मा रीवा, डॉ.अनुराग मिश्र प्राध्यापक अ.प्र.सिंह विश्वविद्यालय रीवा, प्रो.जगदीश चन्द्र शर्मा प्राध्यापक हिन्दी उज्जैन, रामविश्वास कुशवाहा सहा संचालक मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, डॉ.मीनाक्षी दुबे विभागाध्यक्ष केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा, सोमालोब साहित्यिक मंच प्रान्तीय इकाई महाराष्ट्र के अध्यक्ष डॉ.चन्द्रिका प्रसाद मिश्र, सोमालोब प्रांतीय इकाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष सी एल मिश्र साहिल, डॉ.प्रणय पूर्व प्राध्यापक चित्रकूट, डॉ.आर्या प्रसाद त्रिपाठी सेनि. प्राध्यापक एवं समालोचक, कवि सुधाकांत मिश्र बेलाला, कवयित्री सौम्या मिश्रा युगधारा फाउंडेशन लखनऊ, कवि अंजनी सिंह सौरभ, रमाकांत दिवेदी सावन, ब्रजमोहन ब्रजेश, डॉ.विनोद प्रियंवद, एसएन त्रिपाठी प्राचार्य, डॉ.शिवार्चन शुक्ल मधुर, रामसुख सफाया, अशोक माधव शहडोल, मुकेश कुमार शुक्ल धनपुरी, डॉ.रामलला शर्मा पूर्व प्राचार्य उच्च शिक्षा सहित अनेक पत्रकारों, साहित्यकारों का नाम प्रमुख है।

सप्तशक्ति संगम कार्यशाला का हुआ आयोजन

सीधी। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित सप्तशक्ति संगम कार्यशाला सरस्वती शिशु मंदिर कोटहा सीधी में 9 अक्टूबर 2025 को संपन्न हुई। सुश्री रेखा चूड़ासमा के नेतृत्व में आयोजित कार्यशाला में सभी जिला संयोजिकाओं, सह संयोजिका, विभाग प्रभारी तथा अन्य बंधुओं से आग्रह किया गया कि किस प्रकार भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका विकसित भारत के लक्ष्यों मे मातृशक्ति का योगदान और महिलाओं की सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देते हुये कार्यशाला में चर्चा की गई। समझाया गया कि कैसे हमे महिलाओ एकत्र करना है और उन्हे उनकी भूमिका बताकर सशक्त बनाना है। पर्यावरण तथा बसुधैवकुटुंबकम अर्थात पूरी पृथ्वी या सम्पूर्ण पृथ्वी के लोग अपना परिवार है का भाष जागृत करें। पर्यावरण की ओर जोर देते हुये यह समझाना कि प्लास्टिक का उपयोग न्यून स्तर पर किया जाये ताकि हमारा पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान न हो क्योकि प्लास्टिक एक जैव-अपघटित पदार्थ नहीं है और अत्यधिक मात्रा में नुकसान हमारी पृथ्वी को होता है।

सिहावल विधायक विश्वामित्र की धर्मपत्नी का निधन, सांसद-विधायक ने दी श्रद्धांजलि

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अक्टूबर। सिहावल विधानसभा के विधायक विश्वामित्र पाठक की धर्मपत्नी हीराकली पाठक का आज करवाचौथ के दिन आकस्मिक निधन हो गया है।

निधन की खबर मिलते ही सांसद डॉ.राजेश मिश्रा, सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक सहित तमाम भाजपा नेताओं एवं आम जनता की काफी भीड़ शोक श्रद्धांजलि देने पहुंची। विधायक विश्वामित्र पाठक ने अपनी धर्मपत्नी को मुखाग्नि दिए। मालूम हो कि विधायक की धर्मपत्नी काफी दिनों से बीमार थीं। जिनका उपचार भी कराया जा रहा था लेकिन करवा चौथ के दिन उन्होंने अंतिम सांसे ली हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद समूचे विधानसभा क्षेत्र सहित जिले भर में शोक की लहर व्याप्त है। दाह संस्कार के दौरान लोगों की काफी भीड़ रही। इस दौरान सांसद, सीधी एवं सिंगरौली विधायक सहित भाजपा के कई नेताओं सहित आम लोगों की उपस्थिति भी रही।

तीन दिन से लापता युवक का नहीं चला सुराग

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अक्टूबर। पिपरोहर ग्राम पंचायत में एक युवक तीन दिनो से लापता है जिसका सुराग अभी तक नही चल सका है। परिजनों ने शुक्रवार की सुबह स्थानीय विधायक के यहां पहुंचकर कोतवाली पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

परिजनों के कहना है कि गुरूवार तक मोबाईल में लगातार फोन जा रहा था लेकिन कोतवाली पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार की कार्रवाई नही की गई है फिर कोतवाली थाना जाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। पिपरोहर ग्राम पंचायत के अहिरमरा निवासी अनिरूद्ध सिंह ने बताया कि 8 अक्टूबर को मेरा बड़ा बेटा मधुसूदन सिंह घर में बिना कुछ बतायें कहीं चला गया है। आस-पड़ोस में पूंछतांछ की गई तो पता चला कि 9:30 तक यहीं बैठा था फिर घर जाने को बोलकर चला गया था लेकिन जब वह घर नही पहुंचा तो परिजन परेशान हो गए और सारी रात खोजबीन करने के बाद सुबह कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

करवा चौथ पर सुहागिनों ने चलनी की ओट से किया पति का दीदार

जिले भर में करवाचौथ की रही धूम, मंदिरों में पूजा-अर्चना करने पहुंची महिलाएं, बाजार रहे गुलजार

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अक्टूबर। जिले में आज सुहागिन महिलाओं ने करवाचौथ का पर्व धूमधाम से मनाया। उन्होंने पति की लंबी आयु के लिए दिन भर निर्जला व्रत रखा। रात में चांद को अर्ध्य देकर देर शाम को सुहागिन महिलाओं ने चलनी की ओट से पति का दीदार करते हुए व्रत खोला।

सुबह से ही करवाचौथ को लेकर रौनक का माहौल देखने को मिला। सुहागिन महिलाएं सज-धजकर मंदिर गई और भगवान का दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। करवाचौथ सुहागिनों का महत्वपूर्ण त्यौहार माना गया है। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेंहदी रचाकर, चूड़ी पहन व सोलह श्रृंगार कर अपने पति की पूजा कर व्रत का परायण करती हैं। सुहागिन महिलाओं के लिए यह व्रत काफी खास माना जाता है। जिसका इंतजार महिलाएं काफी बेसब्री से करती हैं। करवा चौथ के व्रत को लेकर बाजार कई दिनों से गुलजार था। सुहागिन महिलाएं इसके लिए कई दिनों से खरीदी भी कर रही थी। जिनमें कपड़े, श्रृंगार एवं पूजा सामग्री मुख्य थी।

आज सुबह से ही करवाचौथ के व्रत को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया। महिलाओं ने करवा माता की कथा सुनकर पूजन किया। शाम से ही सुहागिन महिलाओं को चांद निकलने का बेसब्री से इंतजार रहा। जब चांद

निकला तो सभी सुहागिन महिलाओं ने चांद को देखकर सारी रस्म अदायगी की रात्रि में जब पूर्ण चन्द्रोदय हो गया तब तब चन्द्रमा को छलनी से देखकर महिलाओं ने चंद्रमा की पूजा कर अर्ध्य दिया और इसके बाद पति से आशीर्वाद लिया। पतियों ने अपने हाथ से पानी पिलाकर व्रत पूरा कराया और उपहार भी दिए। सुहागिन महिलाओं ने घर के बड़े-बुजुर्गों से पति की लंबी उम्र के लिए आशीर्वाद लिया। सीधी शहर के साथ ही रामपुर नैकिन, मझौली, चुरहट, अमिलिया, सिहावल, सेमरिया, मड़वास, बहरी अंचल में करवाचौथ को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया।

सोशल मीडिया पर छाया रहा करवा चौथ

आज पूरे दिन सोशल मीडिया पर करवा चौथ ही ट्रेंड करता रहा। महिलाओं ने हैशटैग के साथ मेंहदी की तस्वीरें अपने अकाउंट पर पोस्ट की। वॉट्सअप स्टेटस से लेकर डीपी तक पर मेहंदी और चलनी लेकर चांद देखती तस्वीरें लगी नजर आई। फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर करवाचौथ की तस्वीरें और बधाइयों की तस्वीर से पोस्ट भरे रहे। इसकी शुरूआत एक दिन पहले से ही हो गई थी। सुहागिन महिलाओं द्वारा मेहंदी लगे हाथों को सोशल मीडिया में काफी उत्साह के साथ पोस्ट किया जा रहा था। कई महिलाओं द्वारा तो अपने वाट्सअप स्टेटस की डीपी में भी मेहंदी और चलनी की तस्वीरें लगा दी थी। जिसको काफी पसंद भी किया जा रहा था। स्थिति यह थी कि शहरी क्षेत्रों में करवाचौथ का व्रत रखने वाली काफी महिलाओं द्वारा अपनी डीपी में मेहंदी लगे हाथों को प्राथमिकता के साथ लगाया गया था। करवाचौथ के व्रत को लेकर शहरी क्षेत्र की सुहागिन महिलाओं में सबसे ज्यादा उत्साह देखा जाता है। व्रत को मनाने के लिए उनके द्वारा करीब एक पखवाड़े पूर्व से ही तैयारियां शुरू कर दी जाती हैं।